- **विद्रोही समूहों का उदय:** तमिल विद्रोही और **सिंहली समुदाय जैसे असंतुष्ट समूह, संकट के इस दौर में शस्त्र उठा सकते हैं** और श्रीलंका में गृहयुद्ध की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं।
- **निवेश:** इस मौजूदा संकट से इंडियन ऑयल, एयरटेल, टाटा कम्युनिकेशन आदि जैसी कई **भारतीय कंपनियों के निवेश और कार्य संचालन हेतु जोखिम उत्पन्न हो गया है।** यह बदले में इनके राजस्व को प्रभावित करने के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

संबंधित तथ्य

बाह्य ऋण संकट (External Debt Crisis)

अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना करते हुए, श्रीलंका की सरकार ने विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी के कारण अपनी विदेशी सार्वजनिक ऋण की सामान्य ऋण सेवा को निलंबित कर दिया है, इसमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) का बेलआउट पैकेज भी लंबित है।

बाह्य ऋण चूक के बारे में

- **बाह्य ऋण** किसी **देश के ऋण के उस भाग** को संदर्भित करता है, जो **विदेशी उधारदाताओं** जैसे-वाणिज्यिक बैंकों, सरकारों, या अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों (IMF, विश्व बैंक आदि) से ऋण के रूप में लिया जाता है।
- सरकार बाह्य ऋण को **अतिरिक्त व्यय के वित्तपोषण, अतिरिक्त अवसंरचना निर्माण, प्राकृतिक आपदाओं के बाद वित्तीय पुनर्प्राप्ति (रिकवरी) हेतु, या पुराने बाह्य ऋण के भुगतान** हेतु प्राप्त कर सकती है।
  - जब कोई राष्ट्र किसी ऋण (ऋण या प्रतिभूति) पर **आवश्यक ब्याज या मूलधन का भुगतान** करने में विफल रहता है, तो इसे **बाह्य ऋण चूक (External Debt Default) या संप्रभु चूक (Sovereign Default)** के रूप में जाना जाता है।
- **बाह्य ऋण पर संप्रभु चूक का जोखिम अधिक** होता है, क्योंकि इसे उसी मुद्रा में पुनः भुगतान करना होता है जिसमें इसे ऋण के रूप में लिया गया था। अतः सरकार इस ऋण से बाहर निकलने के लिए **न तो मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है न A1 QAही नए नोट छाप सकती है।**
- ऐसी स्थिति सामान्यतः **आर्थिक कुप्रबंधन, अत्यधिक ऋण भार, आर्थिक गतिहीनता, राजनीतिक अस्थिरता या बैंकिंग संकट जैसे कारकों** के संयोजन से होती है।

समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (Maritime Rescue Co-ordination Centre: MRCC) के बारे में

- **भारत और श्रीलंका ने** कोलंबो में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के अंतर्गत एक अत्याधुनिक MRCC स्थापित करने के लिए एक **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए हैं।
- MRCC, **संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन के तहत एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा** है। ये केंद्र आपात स्थिति में शीघ्र कार्रवाई के उद्देश्य से समुद्री मार्गों की निगरानी करते हैं, जैसे - संकट में फंसे जहाजों और लोगों को बचाना तथा उनकी निकासी करना, तेल रिसाव जैसी पर्यावरणीय आपदाओं की रोकथाम और नियंत्रण करना आदि।
- MRCC को **प्रत्येक देश में नौसेना या तटरक्षक बल द्वारा समन्वित किया जाता है।**

2.2. हिंद-प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र (Indo-Pacific and Indian Ocean Region)

2.2.1. भारत-जापान (India-Japan)

सुर्ख़ियों में क्यों?

हाल ही में, भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों द्वारा **नई दिल्ली में आयोजित 14वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया गया।** वर्ष 2022 में दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ भी है।

शिखर सम्मेलन के मुख्य बिंदु

पहल/ सहयोग	विशेषताएं
स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी (CEP)	• **इसे सतत आर्थिक विकास प्राप्त करने,** जलवायु परिवर्तन की समस्या का समाधान करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोग हेतु वर्ष 2007 में स्थापित **'भारत-जापान ऊर्जा वार्ता'** के दायरे के तहत शुरू किया गया था।
संयुक्त क्रेडिट तंत्र (JCM)	• इसे **पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन के लिए स्थापित किया गया है। यह अनुच्छेद विकासशील देशों को निजी पूंजी प्रवाह सुनिश्चित करने से संबंधित है।** ○ पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 मानता है कि कुछ पक्ष अपने शमन और अनुकूलन कार्यों में उच्च महत्वाकांक्षा की अनुमति देने तथा संधारणीय विकास और पर्यावरणीय शुद्धता को बढ़ावा देने के लिए अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के कार्यान्वयन में स्वैच्छिक सहयोग का चयन करते हैं।